तथा अन्य प्रचलित बाजार कीमतों के कारण ऐसी वस्तुओं में उपलब्ध होते हैं । अतिरिक्त लाभ को खपाते समय, निगम भी निकासी भाव निश्चित कर देता है जो कि प्रचलित बाज़ार भावों से हमेशा ही कम होते हैं ताकि एक तो कीमतों में उचित स्तरों पर स्थिर होने की प्रवृति हो और दूसरे उपभोक्ताओं को बिना किसी प्रकार का लाभ मिले, निजी व्यापारियों को अवांछनीय रूप से अत्याधिक लाभ प्राप्त न हों ।

Production and Prices of Automobiles

1586. **Shri R. Ramanathan Chettiar:** Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 237 on the 27th November, 1964 and state:

(a) whether it is a fact that he held discussions with each one of the automobile manufacturers recently regarding pooling of their manufacturing facilities with a view to rationalising car production calculated to secure economies therein; and

(b) if so, the nature of discussions and the decisions arrived at?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) No discussions regarding pooling of manufacturing facilities were held with each of the manufacturers.

(b) Does not arise.

विजयनगरम स्टेशन के पास रेल का पटरी पर से उतर जाना

1587. **श्री विश्वनाथ पाण्डेय :**
श्री बालकृष्ण सिंह :
श्री यमुना प्रसाद मंडल :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 21 नवम्बर, 1964 को नेल्लिमरला और विजयनगरम् (दक्षिण पूर्व रेलवे) स्टेशनों के बीच 37 अप हावड़ा-मद्रास एक्सप्रेस गाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण रेलों के आवागमन में बाधा पड़ गई थी और यात्रियों को चोट आई ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) कितने व्यक्तियों को चोट लगी और रेलवे के सामान का कितना नुकसान हुआ ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) (क) और (ग). इस दुर्घटना की वजह से गाड़ियों का आना जाना बन्द रहा, लेकिन किसी को चोट नहीं पहुंची ।

रेल सम्पत्ति को लगभग 10,000 रुपये के नुकसान होने का अनुमान है ।

(ख) दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है ।

मथुरा से कोटा तक रेलवे लाइन को दोहरा बनाना

1588. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम रेलवे में मथुरा से कोटा तक रेलवे लाइन को दोहरा बनाने का काम आरम्भ हो चुका है ।

(ख) यदि हां, तो इसके लिये कितना समय निर्धारित किया गया है ;

(ग) क्या वह समय के अन्दर पूरा हो जायेगा ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) 324 **किलोमीटर लम्बे** मथुरा-कोटा सेक्शन पर केवल बयाना